prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET PAPER 3 JUNE 26, 2005 SHIFT 1 LAW QUESTION PAPER

J—5805

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

LAW

विधि

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

Prepp Your Personal Exam Guide

SECTION - I

खंड – I

NOTE : This section contains five (5) questions based on the given paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

The candidates are advised to read the following paragraph carefully and answer the five questions asked on the given paragraph in upto 30 words. Each question carry 5 marks.

In a recent case the validity of the new National Education Policy 2002, which provided for value based education to school children based on basis of all religions, was challenged as violative of fundamental right of religion and also as anti-secular. The court held that study of religions in school education is not against the secular philosophy of the Constitution. The judge said that from the experience of the working of the Constitution for more than five decades, it is clear that the complete neutrality towards religion and apathy for all kinds of religious teachings in institutions of the state, have not helped in removing mutual misunderstanding and intolerance between the people of different religions and beliefs. Secularism therefore is not susceptible to positive meaning that is developing understanding and respect towards different religions. The essence of secularism is non discrimination of people by the state on the basis of religious differences. Secularism can be practised by adopting a complete neutral approach towards religions or by positive approach by making one section of religious people to understand and respect religion and faith of another section of people. The real meaning of secularism as said by Mahatma Gandhiji is 'Sarva Dharma Sambhav' meaning equal treatment and respect for all religions. But we have misunderstood the meaning of secularism as 'Sarva Dharma Abhav' meaning negation of all religions. In the name of secularism one should not keep, oneself aloof from such great treasure of knowledge which have been left behind by sages, saints and seers.

अभ्यर्थियों को निम्नलिखित पैराग्राफ को सावधानी पूर्वक पढ़ने का एवं उस दिये गये पैराग्राफ पर आधारित पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में देने का परामर्श दिया जाता है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।

एक अद्यतन वाद में नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2002 की विधिमान्यता को, जिसमें स्कूल के बालकों को सभी धर्मों पर आधारित मूल्य-आधारित शिक्षा को देने का प्रावधान किया गया था, धर्म के मूल अधिकार के उल्लंघन व अपंथनिरपेक्षता के आधार पर आक्षेपित किया गया। न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि स्कूली शिक्षा में सभी धर्मों की शिक्षा देना संविधान की पंथ निरपेक्षता के दर्शन के विरुद्ध नहीं है। न्यायमूर्ति ने कहा कि पांच दशकों से अधिक के संविधान के व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर यह स्पष्ट है कि धर्म की ओर पूर्ण तटस्थता एवं राज्य की संस्थाओं में हर प्रकार की धार्मिक शिक्षाओं से उदासीनता के विभिन्न धर्मों एवं विश्वासों के बीच, पारस्परिक भ्रान्ति एवं असहिष्णुता को दूर नहीं किया है। अत: पंथ निरपेक्षता विभिन्न धर्मों के बीच आपसी समझ एवं आदर के विकास के सकारात्मक पक्ष के प्रति सन्देहास्पद नहीं है। धार्मिक विभेदों के आधार पर राज्य का व्यक्तियों के बीच, विभेद न करना, पंथ निरपेक्षता का मूल तत्त्व है। पंथ निरपेक्षता या तो धर्मों के प्रति पूर्ण तटस्थता व्यवहृत करना या धार्मिक व्यक्तियों के एक समूह द्वारा, दूसरे व्यक्तियों के समूह के प्रति सकारात्मक रूप से आपसी समझ व आदर को विकसित करने के रूप में व्यवहृत किया जा सकता है। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि पंथ निरपेक्षता का सही अर्थ है ''सर्व धर्म समभाव'' जिसका आशय है सभी धर्मों के प्रति समान व्यवहार व आदर। लेकिन हम लोगों ने पंथ-निरपेक्षता को ''सर्व धर्म अभाव'' अर्थात सभी धर्मों को नकार देने के गलत अर्थ में समझा है। पंथ-निरपेक्षता के नाम पर हमें, अपने आप को ज्ञान के उस असीम भंडार, जिसे साधुओं सन्तों एवं ऋषियों ने हमें दिया है, वंचित नहीं करना चाहिए।

1. In which case the validity of National Education Policy of 2002 was challenged before the Supreme Court of India and on what basis ?

किस वाद में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2002 की विधिमान्यता को भारत के उच्चतम न्यायालय में आक्षेपित किया गया एवं किन आधारों पर?

2. Where and under what Articles, the freedom of religion is guaranteed under the Constitution of India ?

भारत के संविधान में कहाँ पर एवं किन अनुच्छेदों में धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी दी गई हैं?

3. Differentiate between 'Sarva Dharma Sambhav' and 'Sarva Dharma Abhav' in brief.

संक्षेप में 'सर्वधर्म समभाव' एवं 'सर्व धर्म अभाव' में विभेद कीजिए।

4. What is the true meaning of secularism ? Illustrate by citing few leading cases.
पंथनिरपेक्षता का सत्य आशय क्या है? कुछ अग्रनिर्णयों को उद्घृत करते हुये दृष्टांत कीजिए।

5. Is the freedom of religion absolute under the Constitution of India ?
भारत के संविधान के अन्तर्गत क्या धार्मिक स्वतंत्रता आत्यांतिक है?

www.prepp.in

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - II

खंड – II

NOTE : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

6. Define domicile. Is domicile an essential feature of the Constitution of India ? Is there only one domicile or more than one domicile ?

अधिवास की परिभाषा करें। क्या अधिवास भारत के संविधान का आवश्यक लक्षण है? क्या केवल एक अधिवास होता है अथवा एक से अधिक?

prepp Your Personal Exam Guide

7. Do you agree that pluralism is the keystone of Indian Culture and religious tolerance is the bedrock of Indian Secularism ?
भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक सहिष्णुता में बहुलता भारतीय पंथनिरपेक्षता की आधार शिला है, क्या आप इससे सहमत है?

8. Define the doctrine of pith and substance.
सार एवं तत्व के सिद्धान्त को परिभाषित करें।

9. Explain the meaning of the expression Ombudsman in the Indian Context.

भारतीय परिप्रेक्ष्य में ओमबड्स्मेन के अर्थ की विवेचना करें।

10. Is it right to say that the judiciary has limited role to control the administrative discretion ?

क्या यह कथन सही है कि न्यायपालिका की प्रशासनिक विवेक का नियंत्रण में सीमित भूमिका है?

11. Possession is nine points in law. Explain

विधि में कब्जा नौ बिन्दु हैं। स्पष्ट करें।

12. Law and Morality are not mutually exclusive. Explain.

विधि और नैतिकता पारस्परिक अपवर्णक नहीं हैं। व्याख्या करें।

13. "Conspiracy than are hatched in secracy and executed in darkness." Explain the concept of Criminal Conspiracy in the light of this statement.

''षड्यंत्र गुप्तता में रची जाती है और अंधेरे में क्रियान्वित की जाती है'' इस कथन के प्रकाश में अपराधिक षड्यंत्र की अवधारणा की व्याख्या करें।

14. It is the duty of every citizen to protect and improve the natural environment including wild life, and to have compassion for living creatures. Explain.

वन्य जीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन तथा समस्त जीवों के लिए करुणा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। व्याख्या कीजिए।

15. Discuss the meaning of environment and environmental pollution. Also, explain the notion of civil remedies for environmental protection.

'पर्यावरण एवं पर्यावरण प्रदूषण' के अर्थ की विवेचना करें। पर्यावरण संरक्षण के लिए दिवानी उपचार की धारणा की व्याख्या करें।

16. Explain the concept of territorial integrity in relation to sovereignty.

संप्रभुता के संबंध में क्षेत्रीय अखंडता की अवधारणा की व्याख्या करें।

17. Is Marriage under the Hindu Marriage Act a sacrament and / or contractual ?

क्या हिन्दू विवाह अधिनियम के अन्तर्गत विवाह एक संस्कार और / या संविदान हैं ?

18. Who are minorities and how the minorities get protection of their human rights under International Law ?

अल्पसंख्यक कौन है? किस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय विधि में उनके मानवीय अधिकारों की रक्षा होती है?

19. Give definition of tort. Is it law of tort or law of torts ?
अपकृत्य की परिभाषा दें। क्या यह अपकृत्य विधि है अथवा अपकृत्यों की विधि है?

20. Define negotiable instrument and explain its essential ingredients.
परक्राम्य लिखित को परिभाषित करें। एवं उसके आवश्यक तत्वों की व्याख्या करें।

SECTION - III
खंड – III

NOTE : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation (unit) and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words. **(12x5=60 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता (इकाई) को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

Elective - I
विकल्प – I

21. The Preamble is the soul of the Constitution of India and as such is the precious part of the Constitution. Comment
उद्देशिका भारत के संविधान की आत्मा है, अत: यह संविधान का मूल्यवान अंग है। टिप्पणी करें।

22. Directive Principles of State Policy are Social Rights and as such Fundamental Rights should give way to social rights for the development of human dignity of the individual. Give reasons for its justification.
राज्य के नीति निर्देशक तत्व सामाजिक अधिकार हैं। अत: मूल अधिकारों को मानवीय गरिमा के विकार के लिये सामाजिक अधिकारों को मार्ग प्रशस्त करना चाहिये। इस उक्ति के औचित्य के कारण बतायें।

23. The most important components of secularism are samata (equality)/ samanjastyata (harmony) and Samajik Samrasta (social harmony). Discuss.
पंथ निरपेक्षता के महत्वपूर्ण घटक है, समता, समंजस्यता और सामाजिक समरसता। विश्लेषण करें।

24. The Supreme Court of India in the Presidential Reference, A.I.R 1999 S.C.I, has opined that in matters of transfer of puisne judges of the High Courts. "Consultation of Plurality of Judeges" is the best course. Discuss.
'राष्ट्रपतीय निर्देश, A.I.R 1999 एस.सी.आई. में उच्चतम न्यायालय ने यह मत जाहिर किया है कि जजों के स्थानान्तरण में अधिकतम जजों के साथ परामर्श श्रेष्ठ मार्ग है। चर्चा करें।

25. Critically examine the provisions of the Constitution of India relating to powers, privileges and immunities of Parliament and its members. Is it desirable to continue the privileges in view of the post-constitutional experiences ?
संसद एवं इनके सदस्यों के विशेषाधिकार एवं उनमुक्ति संबंधी संवैधानिक प्रावधानों का समालोचनात्मक परीक्षण करें। संविधानोत्तर अनुभवों के आलोक में उन्हें बनाये रखना क्या वांछनीय है?

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. Define administrative law. Give a suitable and acceptable definition of administrative law.
प्रशासनिक विधि को परिभाषित करें। प्रशासनिक विधि की योग्य एवं स्वीकरणीय परिभाषा भी दें।

22. Critically examine the principle of nemo debet esse in judex propria causa.
''निमो डिबेट इस इन जुडेक्स प्रोप्रिया कौजा'' के सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

23. Define administrative discretion. What are the judicial contours to control it ?
प्रशासनिक विवेक को परिभाषित करें। इसे नियंत्रित करने के न्यायिक परिधि रेखा क्या है?

24. How far Mandamus is an effective remedy to check administrative inaction ?
प्रशासनिक निष्क्रियता को रोकने के लिये परमादेश की रिट कहाँ तक प्रभावी उपचार है?

25. Institution of Lok Pal, if ever established in India, shall be a milestone to check corruption in administration. Discuss.
लोकपाल संस्थान को यदि भारत में स्थापित किया गया, तो यह प्रशासन में भ्रष्टाचार को रोकने की राह में एक मील का पत्थर साबित होगा। विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. What is law ? Is it "a law" or "the law" or "laws" ?
विधि क्या है? क्या यह ''एक विधि'' अथवा ''विधि'' या ''विधियाँ'' है?

22. What the Courts say in reality, there is nothing pretentious about it, is the law in real sense. Comment.
जो न्यायालय कहता है, वह विधि संबंधी उपदेश नहीं अपितु यथार्थ में विधि है। टिप्पणी करें।

23. Critically analyse Hohfeldian concepts of Rights and Duties. Examine the jurisprudential value of Hohfeldian concepts in relation to Fundamental Rights, Fundamental Duties and Directive Principles of State Policy.
होफिल्ड की 'अधिकार एवं कर्तव्य' की अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या करें। मूल अधिकार, मूल कर्तव्य एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्व के संबंध में होफिल्ड की अवधारणा का विधिशास्त्रीय परीक्षण करें।

24. The possession of a material object is the continuing exercise of a claim to the exclusive use of it. (Salmund). Comment

भौतिक वस्तु पर कब्जा उस पर उसके अपवर्णनीय इस्तेमाल का निरन्तर दावा है। (सामण्ड) टिप्पणी करें।

25. Critically examine the doctrine of prospective over ruling.

भविष्यलक्षी विनिर्णय के सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Define crime and analytically examine the essential ingredients of an offence.

अपराध को परिभाषित कीजिए और इसके आवश्यक तत्वों का विश्लेषणात्मक परीक्षण कीजिए।

22. "Goodfaith is considered to be the most important factor for exonerating the accused from criminal liability" Explain.

''अभियुक्त को अपराधिक दायित्व से मुक्त करने में सद्भाव को एक सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारण माना गया है'' स्पष्ट कीजिए।

23. "All murders are culpable homicides but all culpable homicides are not murders." Discuss.

सभी हत्यायें सदोष मानव वध है लेकिन सभी सदोष मानव वद्य हत्यायें नहीं हैं'' विवेचना कीजिए।

24. "Kidnapping is a substantive offence while abduction is not an offence unless committed with criminal intent." Explain.

''व्यवहरण एक मूलभूत अपराध विधि है जबकि अपहरण तबतक अपराध नहीं है जबतक कि उसे अपराधिक आशय से न किया जाय''। व्याख्या कीजिए।

25. "Publication of defamatory statement in the form of words, signs, gestures, visible representation or otherwise is must for action for defamation under Criminal Law." Discuss.

''अपराध विधि में मानहानि के विरुद्ध कार्यवाही हेतु मानहानि कारक कथन का शब्दों, चिन्हों, भावभगिमाओं, दृश्य निरुपणों अथवा अन्य माध्यम द्वारा प्रकाशन आवश्यक हैं।'' व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

prepp
Your Personal Exams Guide

Elective - V
विकल्प – V

21. Analyse the concept of environmental pollution, while discussing the meaning of environment, and evaluating relevant judicial principles.
पर्यावरण का अर्थ समझाते हुए और सम्बन्धित न्यायिक सिद्धान्तों का मूल्यांकन करते हुए पर्यावरणीय प्रदूषण की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए।

22. Why legislative measures for prevention and control of environmental pollution in India have failed ? Analyse the reasons in the light of relevant case-law.
सुसंगत वादों को संदर्भित करते हुए बताइये कि भारत में पर्यावरणीय प्रदूषण के निवारण एवं नियंत्रण हेतु अपनाये गये विधायी उपाय असफल क्यों हो गये हैं?

23. Critically analyse and evaluate international development for protection of environmental pollution, while evaluating its pitfalls and impediments.
पर्यावरणीय प्रदूषण निवारणार्थ अन्तर्राष्ट्रीय विकास का इसकी कमियों एवं अड़चनों का मूल्यांकन करते हुए, आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

24. Write a critique on constitutional remedies for environmental protection, in context of relevant case-law.
सुसंगत वादों को संदर्भित करते हुए पर्यावरणीय प्रदूषण निवारणार्थ उपचारों पर एक समीक्षा लिखिए।

25. How sucessfully Indian judiciary has tried to achieve environmental protection by applying principles of environmental impact assessment to control hazardous waste ?
परिसंकटग्रस्त दुर्व्यय को नियंत्रित करने के लिए समाघात निर्धारण सिद्धांतों को लागू करते हुए भारतीय न्यायपालिका ने किस प्रकार पर्यावरणीय (प्रदूषण) निवारणार्थ सफलतापूर्ण प्रयास किया है?

OR / अथवा

Elective - VI
विकल्प – VI

21. "It is too late to deny the legal character of International Law, but in the present state of affairs, it is tragically ineffective." Critically examine this statement.
अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विधिक स्वरूप से इन्कार करने के लिये अब बहुत देर हो चुकी है, लेकिन आज की परिस्थिति में यह खेदजनक रूप से निष्प्रभावी हो गयी है'' इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

22. "The General Assembly has become more powerful than the security council of the United Nations." Do you agree with this view ? Give reasons.
''संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा, सुरक्षा परिषद् से अधिक शक्तिशाली हो गयी है'' क्या आप इस विचार से सहमत हैं? कारण बतलाइये।

23. Trace the development of International law relating to sovereignty over the airspace. Explain the scope of legal control of use and abuse of outer space.

आकाशी क्षेत्र पर प्रभुता से संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय विधि के विकास के अनुरेख को बताइये। बाह्य अंतरिक्ष के उपयोग एवं दुरुपयोग के विधिक नियंत्रण की व्याप्ति को स्पष्ट कीजिए।

24. Is the threat of use of nuclear weapons in any circumstances permitted under international law ? Answer the question in the light of the Advisory Opinion of the I.C.J. July 1996.

क्या अन्तर्राष्ट्रीय विधि के अनुसार किसी स्थिति में परमाणवीय शस्त्रों की धमकी देने या उनके प्रयोग की अनुमति है? प्रश्न का उत्तर अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय द्वारा जुलाई 1996 को दी गयी परामर्शीय राय के आलोक में दीजिए।

25. What will be the eclipsing reach of the proposals in the W.T.O. and the GATT Final Act on the municipal law in India ? Discuss

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) और गैट अंतिम अधिनियम में प्रस्तावों की भारत की राष्ट्रीय विधियों पर क्या आच्छादी पहुँच होती? विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - VII

विकल्प – VII

21. What are the grounds of divorce under the Hindu Marriage Act,1955 ? Also state the grounds on which the wife alone can file petition for divorce.

हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के अन्तर्गत तलाक के क्या आधार हैं? उन आधारों का भी वर्णन करें जिन पर केवल पत्नि ही तलाक के लिये याचिका दायर कर सकती है।

22. Are the following marriages valid ? Give reasons.

i) Marraige of an idiot with a lunatic

ii) Marraige of a boy of 18 years with a girl of 16

iii) Marraige of a boy of 21 years with an unmarried woman of 65 years

क्या ये विवाह विधिमान्य हैं? कारण बतायें।

i) एक जड़ का पागल के साथ

ii) 18 वर्ष के लड़के का 16 वर्ष की लड़की के साथ

iii) 21 वर्ष के लड़के का 65 वर्ष की अविवाहित महिला के साथ

23. Explain the doctrine of relation back in the law of adoption and refer the leading cases. Is the doctrine still applicable ?

दत्तक विधि में 'पूर्ण से संबंध' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। अग्रनिर्णयों का संदर्भ दें। क्या यह सिद्धान्त अभी भी लागू हैं?

Prepp Your Personal Exam Guide

24. Who is a testamentary guardian ? What are his powers ? In what respects do they differ from that of a natural guardian ?
वसीयती संरक्षक कौन है? उसकी क्या शक्तियाँ है? उनकी शक्तियों का नैसर्गिक संरक्षक की शक्तियों से भेद करें।

25. Distinguish between Talaq-ul-Bidaat and Talaq-ul-Sunnat and state when talaq becomes irrevocable ?
तलाक–उल–बिदात और तलाक–उल–सुन्नत में भेद करें एवं कब तलाक अप्रतिसंहरणीय हो जाता है?

OR / अथवा

Elective - VIII
विकल्प – VIII

21. Human Rights have emerged and developed on account of the outcome of World War II. Critically examine this statement.
मानवीय अधिकारों की व्युत्पत्ति एवं प्रच्चलन क्या द्वितीय महायुद्ध के कारणों का प्रतिफल हैं? इस कथन का आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

22. Most of the democratic countries of the globe have incorporated civil and political rights in their Constitutions. However, cultural rights have invariably been ignored. Discuss.
विश्व के अधिकांश जनतांत्रिक देशों ने अपने अपने संविधान में नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों को शामिल किया है। परन्तु सांस्कृतिक अधिकार उपेक्षित रहे हैं। विवेचना करें।

23. Discuss the progressive development of human rights under the ageies of the United Nations.
संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वविधान में मानव अधिकार के क्रमिक विकास की चर्चा करें।

24. How far the National Human Rights Commission has upheld the aspirations of comman man ?
राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने कहाँ तक सामान्य व्यक्ति की आकांक्षाओं को पूरा किया है?

25. What are the human rights of children under the International Bill of Human Rights ? To what extent children have been protected of their human rights in India ?
मानव अधिकार बिल में बालकों के मानव अधिकार क्या हैं? उनके अधिकारों की भारत में कहाँ तक रक्षा हुई है?

OR / अथवा

Elective - IX
विकल्प – IX

21. 'The principle of strict liability has been replaced by the role of absolute liability." Explain
''कठोर दायित्व का सिद्धान्त पूर्ण दायित्व के सिद्धान्त द्वारा परिवर्तित कर दिया गया है''। व्याख्या कीजिए।

22. Define tort and discuss its constituents.
अपकृत्य को परिभाषित कीजिए तथा इसके अवयवों की विवेचना कीजिए।

23. Can a prima facie innocent statement be defamatory ? Explain.
''क्या प्रथम दृष्ट्या अबोध कथन मानहानि कारक हो सकता है?'' समीक्षा कीजिए।

24. Discuss the liability of medical profession under the Consumer Protection Act, 1986.
उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत चिकित्सीय वृत्तिका के दायित्व की विवेचना कीजिए।

25. "In negligence, liability for harm arises only if the harm is foreseeable." Explain.
''उपेक्षा के सम्बन्ध में दायित्व तभी उत्पन्न होता है जब हानि पूर्व दृष्टिगोचरीय हो'' स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - X
विकल्प – X

21. Evalute the doctrine of ultra vires under Companies Act. 'Analyse also its utility and otherwise, in face of its near extinction.
कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत अधिकारातीत के सिद्धान्त का मूल्यांकन कीजिए। इसकी उपयोगिता और अन्यथा इस संदर्भ में भी बताइये जबकि यह समापन की ओर जा रहा है।

22. Critically evaluate judicial principles solving legal problems arising out of sale of goods.
माल विक्रय से उत्पन्न विधिक समस्याओं के समाधान हेतु न्यायिक सिद्धान्तों का समालोचनात्मक आंकलन कीजिए।

23. Critically analyse nature and essentials of partnership, discussing mutual rights and liabilities of partners.
साझेदारों के पारस्परिक अधिकारों एवं दायित्वों की विवेचना करते हुए साझेदारी की प्रकृति एवं उसके आवश्यक तत्वों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

24. Write a critique on typical legal problems coming before the court under the Negotiable Instruments Act and adequacy of judicial response to such problems.
पराक्रम्य अभिलेख अधिनियम के अन्तर्गत न्यायालय के समक्ष उठीं विचित्र समस्याओं तथा इन समस्याओं पर न्यायिक दृष्टिकोण की युक्तियुक्तता की समीक्षा कीजिए।

25. Critically evaluate legal role of directors, and analyse their powers, rights and duties.
निर्देशकों की शक्तियों, अधिकारों और कर्तव्यों का विश्लेषण कीजिए एवं उनके विधिक योगदान का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION - IV

खंड – IV

NOTE : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the given topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Law is asinus.
विधि एसिनस (लचीला जैसा) है।

OR / अथवा

Right to education has twin objectives, namely, duty of the State and parents to disseminate and the right of the citizens and children to assimilate education.
शिक्षा के अधिकार के दो उद्देश्य हैं, राज्य और अभिभावक का शिक्षा के प्रसार में कर्तव्य एवं नागरिक तथा बच्चों का शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार।

OR / अथवा

Higher Courts are right because they are superior, not superior because they are right.
उच्चतर न्यायालय सही हैं, क्योंकि वे उच्च हैं न कि वे उच्च हैं, क्योंकि सही हैं।

prepp Your Personal Exams Guide

prepp Your Personal Exam Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....